IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राजस्थान का भौतिक स्वरूप एवम् विशेषताएं

Akha Ram

[Assistant Professor,Geography Department,IG College,Batadu,Barmer,Rajasthan]

सार:- राजस्थान की आकृति पतंग के समान या विषमकोणीय चतुर्भुज (लोजेंज कर्टब्ज) है।राजस्थान में टीलों और समतल नदी-नाले वाले मैदान तथा राजस्थान की मिट्टी ज़्यादातर रेतीली है और इसमें खनिजों और लवणों का भरपूर मिश्रण है।राजस्थान में वनस्पति कम है और इसमें मुख्य रूप से कांटेदार झाड़ियाँ और शुष्क पर्णपाती वन के पेड़ शामिल हैं।राजस्थान का कुल क्षेत्रफल लगभग 3,42,239 वर्ग किलोमीटर है जो भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10.74 प्रतिशत हिस्सा है।राजस्थान को 'राजाओं का राज्य' भी कहा जाता है, राजस्थान के त्योहारों में यहां की संस्कृति, विरासत और प्रकृति की झलक मिलती है।

राजस्थान में भौगोलिक विभाजन :-

✓पश्चिमी रेगिस्तानी मैदान (लगभग 61%)

✓अरावली श्रेणी और पहाड़ी क्षेत्र (लगभग 9.8%)

✓पूर्वी मैदान (लगभग 23.6%)

✓दक्षिण पूर्वी पठार(लगभग 6.9%)

राजस्थान के भौतिक विभाग. जर्मन वैज्ञानिक अल्फ्रेड वेगनर (1912) के सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी अपने निर्माण के प्रराम्भिक काल में एक विशाल भू-खण्ड पैंजिया तथा एक विशाल महासागर पैंथलासा के रूप में विभाजित था जो आगे दो टुकड़ों में बटा उतरी भाग अंगारालैंड वह दक्षिणी भाग गोडवाना लैंड । इसका भूखंडों का मध्य भाग टेथिस महासागरथा जिसके अवशेष राजस्थान में थार मरुस्थल के रूप मे पाए जातें है।

मुख्य शब्द:-. विविधता,क्षेत्रफल,जनसंख्या,भौतिक संरचना,मरुस्थल,तापमान,नदी बेसिन,जलवायु।

प्रस्तावना:- भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित एक राज्य है। भारत के सभी राज्यों में राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा और जनसंख्या की दृष्टि से सातवां सबसे बड़ा है। यह 23°30′ और 30° 11′ उत्तरी अक्षांश और 69° 29′ और 78° 17′ पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। राज्य अपनी उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी सीमा को भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ साझा करता है जो लगभग 1,070 किलोमीटर तक फैली हुई है। राजस्थान पश्चिम और उत्तर पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर और उत्तर पूर्व में पंजाब, उत्तर प्रदेश और हरियाणा राज्यों से घिरा है। मध्य प्रदेश राज्य दक्षिण-पूर्व में और गुजरात दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। अंतर्राष्ट्रीय और विभिन्न राष्ट्रीय सीमा से सटे होने के कारण राजस्थान का भौगोलिक स्वरुप बहुत विविधताओं से भरा हुआ है। इसकी राजधानी जयपुर है।

राजस्थान की भौतिक संरचना को देखते हुए राजस्थान को चार भागों में बांटा गया है राजस्थान के यह चार भौतिक क्षेत्र और उनकी विशेषताएं इस प्रकार हैं... थार का मरुस्थल — थार का मरुस्थल राजस्थान के पश्चिम में पाकिस्तान की सीमा से लेकर मध्य राजस्थान में अरावली पर्वत श्रंखला तक राजस्थान के पश्चिमी भाग में फैला हुआ है।

राजस्थान का भौतिक स्वरूप:-

(1)*पश्चिमी रेगिस्तानी मैदान:-* थार मरुस्थल जो महान भारतीय मरुस्थल (Great Indian Desert) भी कहलाता है, भारतीय उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तरी भाग में विस्तारित एक शुष्क व मरुस्थल क्षेत्र है। यह भारत और पाकिस्तान में 200,000 वर्ग किमी (77,000 वर्ग मील) पर विस्तारित है। यह विश्व का 17वाँ सबसे बड़ा मरुस्थल है और 9वाँ सबसे बड़ा गरम उपोष्णकटिबन्धीय मरुस्थल है। थार का 85% भाग भारत और 15% भाग पाकिस्तान में है। थार का 85% भाग भारत में आता है। भारत के अनुसार थार के मरुस्थल का राजस्थान मे विस्तार 62% है और राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 61.11% भाग मरुस्थल से घिरा हुआ है। जिनमे राजस्थान के चुरू,हनुमानगढ़,बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर,बाड़मेर , हालांकि यह मरुस्थल गुजरात, और पाकिस्तान के सिन्ध प्रान्त में भी फैला हुआ है।पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में थार चोलिस्तान में विस्तारित है। थार का पश्चिमी भाग मरुस्थली कहलाता है और बहुत शुष्क है, जबकि पूर्वी भाग में कभी-कभी हलकी वर्षा हो जाती है और कम रेत के टीले पाए जाते हैं।अरावली पहाड़ी के पश्चिमी किनारे पर थार मरुस्थल स्थित है। यह मरुस्थल बालू के टिब्बों से ढँका हुआ एक तरंगित मैदान है।

गर्मियों में यहां की रेत उबलती है। इस मरुभूमि में 52 डिग्री सेल्शियस तक तापमान रिकार्ड किया गया है। जबकि सर्दियों में तापमान शून्य से नीचे चला जाता है। जिसका मुख्य कारण हैं यहाँ की बालू रेत जो जल्दी गर्म और जल्दी ठंडी हो जाती है। गरमियों में मरुस्थल की तेज गर्म हवाएं चलती है जिन्हें "लू" कहते हैं तथा रेत के टीलों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाती हैं और टीलों को नई आकृतियां प्रदान करती हैं। गर्मी ऋतु में यहां पर तेज आंधियां चलती है जो रेत के बड़े-बड़े टीलों को दूसरे स्थानों पर धकेल देती है जिससे यहां मरुस्थलीकरण की समस्या बढ़ती जाती है।

थार के मरुस्थल में रहने वाले लोग वीर एवं साहसी होते हैं लोगों में देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी होती है पशुपालन यहां का मुख्य व्यवसाय है पशुओं में गाय बैल भैंस बकरी भेड़ घोड़े गधे इत्यादि जानवरों को पाला जाता है मुख्य रूप से यहाँ ऊंट पाले जाते है।

इसी भिन्नता के कारण इसको 4 उपप्रदेशों मेंविभक्त किया जाता है-

✓शुष्क रेतीला अथवा मरूस्थलीय प्रदेश

✓लूनी- जवाई बेसीन

✓शेखावाटी प्रदेश

✓घग्घर का मैदान

(2)*अरावली श्रेणी और पहाड़ी क्षेत्र:-* अरावली पर्वत शृंखला गौंडवाना लैंड का अवशेष है। इसके दक्षिणी भाग में पठार, उत्तरी भाग में मैदान एवं पश्चिमी भाग में मरुस्थल है। अरावली पर्वत श्रेणी राजस्थान को दो भागों में बांटती है, राजनीतिक दृष्टि से राजस्थान के 33 जिलों में से अरावली पर्वत श्रेणी के पश्चिम में 13 जिले तथा पूर्व में 20 जिले हैं।यह दक्षिण -पश्चिम में गुजरात के पालनपुर से प्रारम्भ होकर उत्तर-पूर्व में दिल्ली तक लम्बी है। जबकि राजस्थान में यह पर्वत खेडब्रहमा (सिरोही) से खेतड़ी (झुंझुनूं) तक 550 कि.मी. लम्बी है जो कुल पर्वत श्रृंखला का 80 प्रतिशत है।राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.3 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में राज्य की 10 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।अरावली पर्वतमाला को ऊँचाई के आधार पर तीन प्रमुख उप प्रदेशों में विभक्त किया गया है।

✓दक्षिणी अरावली प्रदेश

✓ मध्यवर्ती अरावली प्रदेश

✓ उतरी – पूर्वी अरावली प्रदेश

(3)*पूर्वी मैदानी भाग:-* अरावली पर्वत के पूर्वी भाग और दक्षिणी-पूर्वी पठारी भाग के दक्षिणी भाग में पूर्व का मैदान स्थित है। यह मैदान राज्य के कुल क्षेत्रफल का 23.3 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में राज्य की 39 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। इस क्षेत्र में – भरतपुर, अलवर, धौलपुर, करौली,सवाईमाधोपुर, जयुपर, दौसा, टोंक, भीलवाडा तथा दक्षिण कि ओर से डुंगरपुर, बांसवाडा ओर प्रतापगढ जिलों के मैदानी भाग सम्मिलित है। यह प्रदेश नदी बेसिन प्रदेश है अर्थात नदियों द्वारा जमा कि गई मिट्टी से इस प्रदेश का निर्माण हुआ है। इस प्रदेश में कुओं द्वारा सिंचाई अधिक होती है। इस मैदानी प्रदेश के तीन उप प्रदेश है-

✓ बनास- बांणगंगा बेसीन

✓ चंम्बल बेसीन

✓ मध्य माही बेसीन

(4)*दक्षिण-पूर्व का पठारी भाग:-* राज्य के कुल क्षेत्रफल का 9.6 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में राज्य की 11 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। राजस्थान के इस क्षेत्र में राज्य के चार जिले कोटा, बूंदी, बांरा, झालावाड़ सम्मिलित है।इस पठारी भग की प्रमुख नदी चम्बल नदी है और इसकी सहायक नदियां पार्वती, कालीसिद्ध, परवन, निवाज, इत्यादि भी है। इस पठारी भाग की नदीयां है। इस क्षेत्र में वर्षा का औसत 80 से 100 से.मी. वार्षिक है।राजस्थान का झालावाड़ जिला राज्य का सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला जिला है और यह राज्य का एकमात्र अति आद्र जिला है। इस क्षेत्र में मध्यम काली मिट्टी की अधिकता है। जो कपास, मूंगफली के लिए अत्यन्त उपयोगी है।यह पठारी भाग अरावली और विध्यांचल पर्वत के बीच "सक्रान्ति प्रदेश" है।

इस पठार का ढाल दक्षिण से उत्तर पूर्व की ओर है तथा यहां सर्वाधिक नदियां प्रवाहित होती है इस पठार के दक्षिणी भाग में विंध्यन कगार स्थित है जो राजस्थान में बनास व चंबल नदियों के बीच स्थित है इन कगारों का मुख यहाँ दक्षिण पूर्व की ओर है यह विंध्यन कगार बालूका पत्थर से निर्मित है।

1 हाडौती का पठार – कोटा, बांरा, झालावाड़

2 विन्ध्यन कगार भूमि – धौलपुर. करौली, सवाईमाधोपुर।

राजस्थान की जलवायु की विषेषताए:-

•राजस्थान की जलवायु गर्म (उष्ण) शुष्क प्रकार की है।

•राजस्थान के द.पूर्व में अधिक वर्षा व उतर पष्चिम में कम वर्षा होती है।

•राजस्थान के द.पूर्व में अधिक वर्षा उतर पूर्व की ओर क्रमशः घटती जाती है।

•राजस्थान में वर्षा की अनियमितता व अनिष्चितता के कारण अधिकाषतः सुखे की स्थिति बनी रहती है।

• राजस्थान में जलवायु का अध्ययन करने पर तीन प्रकार की ऋतुएं पाई जाती हैः-

ग्रीष्म ऋतुः (मार्च से मध्य जून तक)

वर्षा ऋतु : (मध्य जून से सितम्बर तक)

शीत ऋतु : (नवम्बर से फरवरी तक)

निष्कर्ष:- राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से जर्मनी के बराबर, ब्रिटेन से 1.5 गुणा, श्रीलंका से 5 गुणा व् इजराइल से 17 गुणा बड़ा हैं।राजस्थान की आकृति टी.ऐच. हैण्डले के अनुसार विषमकोणीय चतुर्भुज या पतंगाकार हैं।राज्य में पाई जाने वाली प्रमुख वनस्पति मरुदभीद (जिरोफाइट्स) प्रकार की है।राजस्थान के भू भाग को 4 भागों में बाँटा गया है-

नाम	क्षेत्रफल %में	जनसंख्या%में
1 उत्तर पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश	61%	40%
2 अरावली पर्वतीय प्रदेश	9%	10%
3 पूर्वी मैदानी प्रदेश	23%	39%
4 दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश	7%	11%

संदर्भ ग्रंथ :-

(1)राजस्थान का भूगोल - डॉ. एलआर भल्ला

(2)राजस्थान भुगोल - राजस्थान बीएसई ईबुक

(3)भौतिक भूगोल के मूल तत्व - कक्षा - 11

(4)भारत भौतिक पर्यावरण - कक्षा - 11

(5)राजस्थान का भूगोल -डॉक्टर हरी मोहन सक्सेना।